मैं किसे अपना बदन दिखाने जाऊँगी ?

“रात को मैं छत पर मोमबत्ती लेकर नग्न घूमने के बाद नीचे पहुँची और अपनी आप बीती लिख कर सबसे पहले इंटरनेट पर उन दोस्त को बताया कि मैंने कर दिखाया ! शायद वो मेरी ही प्रतीक्षा कर रहे थे, वो मुझे ओनलाइन मिल गए और मैंने शुरू से आखिर तक पूरा घटनाक्रम बताया तो […] …”

Story By: (madhurrekha)
Posted: Wednesday, October 24th, 2012
Categories: हिंदी सेक्स कहानी
Online version: मैं किसे अपना बदन दिखाने जाऊँगी ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं किसे अपना बदन दिखाने जाऊँगी ?

रात को मैं छत पर मोमबत्ती लेकर नग्न घूमने के बाद नीचे पहुँची और अपनी आप बीती लिख कर सबसे पहले इंटरनेट पर उन दोस्त को बताया कि मैंने कर दिखाया !

शायद वो मेरी ही प्रतीक्षा कर रहे थे, वो मुझे ओनलाइन मिल गए और मैंने शुरू से आखिर तक पूरा घटनाक्रम बताया तो उन्होंने कहा- यह तो निश्चित है कि तुम्हें किसी ने नहीं देखा होगा छत पर ! अब तुम्हें इसमें इतना ज्यादा मज़ा आया तो कल कुछ इससे बढ़ कर करो ! और ज्यादा मज़ा लो !

मैंने पूछा- जैसे क्या ? आप ही सुझाव दीजिए कुछ !

इस पर उन्होंने कहा- देखो आज तुम्हें किसी ने नहीं देखा ! कल किसी मर्द को अपने सेक्सी बदन का ज़रा सा नमूना दिखाओ ! इससे और ज्यादा मज़ा आएगा !

मैंने कहा- ऐसा कैसे ? मैं किसे अपना बदन दिखाने जाऊँगी ?

उनसे बातें करते करते मुझे अपनी दाईं चूची पर जलन महसूस हुई तो मैं अपने स्तन पर बोरोप्लस क्रीम लगाने लगी, क्रीम लगाते लगाते मैं अपने निप्पल को मसलने लगी तो मेरी अन्तर्वासना जागृत होने लगी, कुछ ज्यादा साहसिक काम करने की लालसा होने लगी, मुझे अपने मित्र का सुझाव अब सही लगने लगा, मुझे उसमें रूचि होने लगी तो मैंने उनसे कहा- वो तो ठीक है पर मैं उसके सामने नंगी नहीं जा सकती !

वे बोले- अरे नहीं पगली ! इस बार कपड़े नहीं उतरने है बल्कि कपड़े पहने हुए ही अपना बदन इस तरह से दिखाना है कि देखने वाला उत्तेजित हो जाए. उसे ऐसा भी ना लगे कि तुमने जानबूझ कर ऐसा किया है.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुझे कुछ समझ नही आया, अब तक मैं अपनी चुचियाँ जोर जोर से मसलने लगी थी, बीच बीच में अपनी योनि भी सहला लेती थी, मैंने उन्हें कहा- जरा खुल कर समझाइए !

उन्होंने कहा- कल ऐसा कुछ करो जिसमें कोई तुम्हारा नंगा बदन देखे पर ऐसा लगाना चाहिए कि तुम बेख़बर हो इस बारे में !

मैं अब भी कुछ खास समझी नहीं। तब उन्होने मुझे यू ट्यूब का एक वीडियो देखने को कहा, उसका लिन्क भेजा जिसमें एक महिला जान बूझकर एक लड़के को अपने वक्ष दिखाती है… पर ऐसा प्रदर्शित करती है कि उसको पता ही नहीं…

उन्होंने पूछा- क्या तुम कर पाओगी ऐसे ?

एक बार तो मैं डर गई पर मैंने कुछ देर पहले ही जाना था कि डर में ही मज़ा है… मैंने हाँ कर दी- पर कैसे ?

उन्होंने कहा- क्या तुम्हारे पास को फ्रंट ओपन वाली पोशाक है ?

तभी याद आया कि मेरे पति मेरे लिये इन्दौर से काले रंग का एक गाउन लाए थे… उसमें सामने की ओर बटन थे…

मैंने कहा- हाँ है !

वो बोले- और तुम्हारे घर कोई पुरुष तो आता होगा ना जैसे कोई अखबार वाला, दूध वाला, सब्जी वाला या धोबी या कोई और ?

मैंने कहा- ये सभी आते हैं पर अखबार वाला तो बाहर ही अखबार डाल कर चला जाता है, उसके बाद दूध वाला आता है।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तो वे बोले- तुम सुबह सुबह उस दूध वाले को ही अपना शरीर दिखाओगी ?

तभी मैंने कहा- दूध वाला भैया सवेरे 6 बजे आता है..

तो वो बोले- बस ठीक है, उसको अपने बड़े बड़े वक्ष दिखाने हैं कल सवेरे...

मैं फ़िर घबराने लगी.. कहीं कुछ उल्टा सुल्ता हो गया तो... ? वैसे भी वो भैया मुझे रोज ही घूरता था... कहीं उसकी हिम्मत ना बढ़ जाए... उसने मुझे पकड़ कर कुछ...

पर नहीं, कुछ तो करना ही है...

मैंने उनको कहा- हाँ, मैं करूँगी ! बस समझा दीजिए थोड़ा सा !

उन्होंने कहा- बस अपने गाउन के ऊपर के दो या तीन बटन खोल कर अपने गाउन को ऐसे सेट करना कि तुम्हारी दोनों चूचियाँ कम से कम आधी दिखाई दें सामने से दूध वाले को ! उसे ऐसे दिखाना कि जैसे तुम नींद से अभी अभी उठ कर आई हो ! और बस हर रोज की भान्ति उससे दूध ले लेना। उसके बाद की बाद में देखेंगे !

अब मुजे सब समझ आ गया था, मुझे लगा कि यह ज्यादा मुश्किल काम नहीं है !

रात के साढ़े गयारह बज रहे थे, मैंने अपने मित्र से कहा- अब काफ़ी देर हो गई है, कल सवेरे की तैयारी करती हूँ... सुबह जो भी होगा, आपको मेल करूंगी।

और मैं तैयारी में लग गई... अलमारी खोल कर क्लॉक गाउन ढूंढने लगी, पर मिल ही नहीं रहा था... कपड़े भी नहीं पहने थे क्योंकि मेरे उरोज में जलन हो रही थी... गाउन मिल ही नहीं रहा था, पागलों की तरह ढूंढ रही थी, अजीब सा नशा था, सनक थी कि कल तो बस यह करना ही है... बीच में जब भी मेरा दायाँ निप्पल किसी चीज़ के साथ छू जाता तो मानो इलेक्ट्रिक करेंट सा लग जाता, अजीब सा मीठा मीठा दर्द होता... क्योंकि उस पर

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अभी थोड़ी देर पहले मोमबत्ती का गर्म मोम गिरा था...पर मुझे तो गाउन ढूंढना ही था.. मैंने सोचा भी कि दूसरा कुछ पहन कर लूँ पर उससे बात नहीं बन सकती थी, सबका गला सामने से छोटा और पीछे से बड़ा था..

मैं उसे ही ढूँढ रही थी...पर मिल ही नही रहा था।

तब याद आया कि एक दिन मेरी पेईंग गैस्ट ने मुझसे वो पहनने के लिए लिया था... तभी दौड़ कर उसके रूम के पास गई तो ताला लगा था... तभी याद आया कि एक चाबी हमेशा बाहर के पोर्च में छिपा कर रखती है... ऐसी अवस्था में बाहर के पोर्च में जाना ठीक नहीं था पर मुझ पर नशा छाया था, मई नंगी ही दौड़कर बाहर गई झट से चाबी ली, अंदर आ गई, किसी ने नहीं देखा होगा शायद...

श्रेया के रूम का ताला खोला, अंदर लाइट जला कर देखा तो गाउन अलमारी में था। पर मैंने देखा कि वो पहना हुआ था, उसे धोना पड़ेगा.. उसे धोने लगी तो देखा कि ऊपर का एक बटन टूटा था... मन ही मन मैं हंस पड़ी... सोचा चलो, कल का काम आसान हो गया, सिर्फ़ एक बटन खोलना होगा...

वॉशिंग मशीन में गाउन धोया फ़िर ड्रेयर से सुखाया !अब सब तैयारी हो चुकी थी।

साढ़े बारह बज गये थे पर नींद नहीं आ रही थी सवेरे पौने छः का अलार्म लगाया और.. सोचते सोचते नींद आ गई..

सवेरे अलार्म बजा.. तभी मैं उठ गई, देखा तो मैं रजाई में नंगी ही थी। गाउन सिराहने रखा था, उसे पहन कर दोबारा रजाई औढ़ ली ताकि गाऊन पहना हुआ सा दिखे !

अब मेरा दिल धक धक करने लगा, मन में भय व्याप्त होने लगा, मैं प्रतीक्षा कर रही दरवाजे पर घण्टी बजने की !कभी मन में आता कि आज दूध वाला ना ही अए तो अच्छा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

है तो कभी यह लगता कि समय भी जल्दी नहीं बीत रहा !

तब तक मैं सोचने लगी कि कैसे करना है, कैसे झुकना है... कितनी चूचियाँ उसे दिखनी चाहियें और उसे महसूस भी नहीं होने देना था।

ठीक 6 बजे घण्टी बज उठी। पर मैंने पहले ही सोच लिया था कि पहली घण्टी पर नहीं उठूँगी।

दूध वाले ने और एक बार घण्टी बजाई, तब मैंने अपना गाउन चैक किया, एक बटन टूटा था, दूसरा खुला था, मैंने अपने बाल थोड़े बिखेरे, दूध का बरतन उठाया और जानबूझ कर उसे दरवाजे से टकराया, आंखों में नींद भर कर दरवाजा खोला, मेरे गाउन के सामने वाले दो बटन खुले होने की वजह से मेरे उरोज आधे से भी अधिक साफ़ साफ़ दिख रहे थे, अगर मेरा गाउन आधा इन्च भी सरक जाता तो मेरे निप्पल बाहर आ जाते।

मैंने ऐसे दिखाया कि अभी नींद से उठी हूँ... और दूध का बरतन लेकर नीचे भैया की तरफ ना देखते हुए झुक गई... रोज की तरह उनकी नज़र उठी मेरे गले की तरफ़... मेरी नंगी चूचियाँ दिखी तो... वो देखता ही रह गया... मैंने धीरे से दूध का बर्तन लिया और अंदर जाने लगी... पर वो नहीं गया शायद, उसे और एक बार देखना था, मैंने पीछे मुड़कर पूछा- क्या हुआ ?

वो बोला- इस महीने पैसे आज ही दे दो !यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

हर महीने वो 10 तारीख को पैसे लेता था, वो बोला- जरुरत है !

मैं समझ गई कि इसको और एक बार देखना है... शायद इसे उम्मीद है कि कुछ अंदर तक दिख जाए...

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं बेडरूम में गई, मुझे बड़ी हंसी आ रही थी.. पर खुद पर काबू किया, गाउन ठीक किया, ऊपर का बटन बन्द किया अपने वक्ष को भली प्रकार से ढक कर पैसे ले कर आ गई... उसको कहा- 1000 का नोट है।

उसने कहा- छुट्टे नहीं हैं तो रहने दो, 10 को दे देना...

वो निराश हो गया था, शायद जो उसे चाहिए थ, वो नहीं मिला !उसके आगे पैसे भी कुछ नहीं...

वो निराश होकर चला गया।

यह सब कोई कहानी नहीं सच्चाई है !

उसके जाने बाद भी मैंने अपनी योनि को रिसते पाया, गीला पाया.. पता नहीं क्या बात है इस खेल में !

आज रात अपने मित्र से पूछ कर फिर कोई कारनामा करने की इच्छा है !

madhurrekha@hmamail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

इलेक्ट्रिक शेवर ने मामी को दिलाया सेक्स का मज़ा-2

सम्पादिका : श्रीमती तृष्णा लूथरा मामा के साथ मुंबई स्टेशन से ठाणे तक पहुँचने में हमें डेढ़ घंटा लग गया और हम दोपहर के लगभग साढ़े बारह बजे के बाद ही उनके घर पहुंचे। जब हम घर पर पहुंचे तब मेरा [...]
Full Story >>>

भाभी की चूत चुदाई की चाहत और मेरी हवस

दोस्तो, आप सभी को मेरा नमस्कार ! यह हिन्दी सेक्स स्टोरी मेरे दोस्त राकेश की है और मैं इस कहानी को राकेश बन कर ही आपके सामने प्रस्तुत करने जा रहा हूँ। बात उन दिनों की है जब मैं कॉलेज में [...]
Full Story >>>

पतियों की अदला बदली-4

रेखा चुदासी हो रही थी, उसने समीर को कहा की जाने से पहले घर होकर जाना। समीर लगभग 2 बजे आया... रेखा ने अनिल को ऑफिस फोन किया तो वो ऑफिस में ही था। रेखा ने कह दिया- मैं बाज़ार [...]
Full Story >>>

पतियों की अदला बदली-3

शाम को समीर आया, वो नहाने गया तो रेखा भी नंगी होकर उसके साथ बाथरूम में घुस गई। जोरदार चूत चुदाई के बाद नहाकर दोनों नीचे आये, रेखा ने समीर को कपड़े नहीं पहनने दिए। डिनर तैयार था, दोनों ने [...]
Full Story >>>

पतियों की अदला बदली-2

अगर कॉलेज का दोस्त पति के बॉस के रूप में घर आ जाए तो पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं, दोनों तरफ़ आग सी भड़क जाती है, इन्तजार होती है तो बस एक चिंगारी की ! रेखा ने अपने पति के [...]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Indian Phone Sex

Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all indian languages

Bangla Choti Kahini

বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স স্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Antarvasna

अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं!

Velamma

Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven! Visit the website and check the first 3 episodes for free.

Savitha Bhabhi

Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Desi Kahani

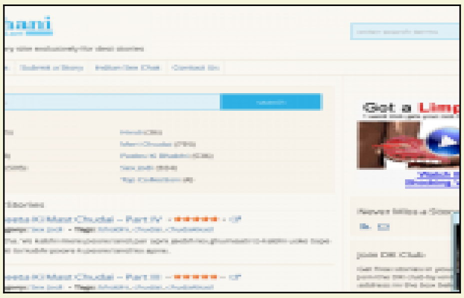

India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire